MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

PROGRAMME : M.A. (HINDI)

II SEMESTER EXAMINATIONS, AUGUST, 2021

Paper & Code : MAHN202CCT **मध्यकालीन हिन्दी काव्य**

MADHYAKALEEN HINDI KAVYA

TIME: 3 HOURS TOTAL MARKS: 70

सूचनाएँ:-

यह प्रश्न पत्र दो भागों में विभाजित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर निर्धारित शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

भाग –I

II. निम्न लिखित दस प्रश्नों में से किन्हीं <u>आठ</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 100 शब्दों में देना अनिवार्य है। 8x5= 40

1) निर्गुण भक्ति साहित्य की विशेषतएँ लिखिए।
2) बिहारी लाल की रचनाओं का साहित्यिक परिचय दीजिए।
3) कबीरदास की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4) रैदास की रचनाओं में शिक्षित दार्शनिक भाव को स्पष्ट कीजिए।
5) सगुण भक्ति साहित्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
6) सूरदास के व्यक्तित्व को स्पष्ट कीजिए।
7) कृष्ण भक्ति साहित्य में रसखान का स्थान निर्धारित कीजिए।
8) मीराबाई का साहित्यिक परिचय दीजिए।
9) रीतिमुक्त कवियों में घनानन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।
10) सुंदरकाण्ड की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

भाग –II

II .निम्न लिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में देना अनिवार्य है। 3x10= 30

11) “पद्मावत” में चित्रित नागमती का विरह वर्णन को स्पष्ट कीजिए।

12) सूरदास के भ्रमरगीत का मुख्य उद्देश्य क्या है?

13) रहीम के काव्य में नीति और उपदेश की चर्चा कीजिए।

14) निम्न लिखित पद का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

सावन बरस मेह अति पानी। भरनि परी, हौ बिरह झुरानी ।।
लाग पुनरबासु पीऊ न देखा। भई बाऊरी, कहाँ कंत सरेखा ।।
रक्त कै आँसू परहि भुई टूटी। रेंगि चली जस बीर बहूटी ।।
सखिन रचा पिऊ संग हिंडोला। हरियारी भूमि, कुसुंभी चोला ।।

15) निम्न लिखित दोहों का संदर्भ साहित व्याख्या कीजिए।

राम नाम के पटतरे, देबे को कुछ नाहि।
क्या ले गुरु संतोषिए, हौंस रही मन माहि ।।

*****